सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 10 अंक : 125 | इंदौर, बुधवार 20 नवंबर, 2024 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

गैस कनेक्शन काटने का मैसेज आया, 26 लाख रुपए ठग लिए

पुलिस ने जारी किया अलर्ट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। अवंतिका गैस कनेक्शन काटने का झांसा देकर ठगी के कई मामले क्राइम ब्रांच के पास पहुंचे हैं। मोबाइल पर एक एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया। इसके चलते पीड़ित के मोबाइल का एक्सेस ठगों के पास पहुंच जाता है और वो आसानी से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर खाते से रुपए निकाल लेते हैं।

45 लोग ठगे जा चुके

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि अब तक 45 शिकायतें इंदौर क्राइम ब्रांच को मिल चुकी हैं। अवंतिका पाइप लाइन गैस कनेक्शन काटने का झांसा देकर ठगी की कई शिकायतें लगातार मिल रही हैं।

इस तरह करते हैं ठगी

दंडोतिया ने बताया कि इसमें पीड़ित के मोबाइल पर एक मैसेज भेजकर बताया जाता है कि आपका बिल का भुगतान अपडेट नहीं हुआ है आज रात 9 बजे तक अगर बिल जमा नहीं होता है तो कनेक्शन काट दिया जाएगा। इस मैसेज में एक मोबाइल नंबर भी दिया जाता है। इसे अवंतिका गैस कंपनी का मैसेज मानकर पीड़ितों ने उसे मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। पीड़ित को बताया गया कि आपको एक Apk फाइल भेज रहे हैं। इसे मोबाइल में डाउनलोड कर लो। इस Apk फाइल को डाउनलोड करते ही बैंक खाते की जानकारी मांगी गई, बाद में एटीएम या डेबिट कार्ड की जानकारी भी उससे ली गई। जानकारी देने की कुछ देर बाद ही पीड़ितों के मोबाइल पर खाते से पैसे कटने के मैसेज आने लगे। यह देखकर पीड़ित परेशान हो गए। उन्होंने फिर उस मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो बताया गया कि यह पैसा जल्दी आपको रिफंड हो जाएगा। बाद में उस नंबर पर फोन उठाना बंद कर दिया गया। इस तरह कुल 26 लाख रुपए की ठगी की गई।

ठगों ने ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर शॉपिंग कर ली

इसकी शिकायत पीड़ितों द्वारा इंदौर क्राइम ब्रांच द्वारा जारी साइबर हेल्प लाइन नंबर पर की गई है। इसमें बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर शॉपिंग की गई है। इन शिकायतों की जांच कर अग्रिम कार्रवाई क्राइम ब्रांच कर रही है। दंडोतिया ने बताया की अवंतिका गैस के रजिस्टर्ड ग्राहकों के पास ही इस तरह के मैसेज आ रहे हैं। ठगों द्वारा जो एपीके फाइल डाउनलोड करवाई जाती है वह दरअसल में एक स्क्रीन शेयरिंग एप होता है यह मोबाइल में डाउनलोड होने पर आपके मोबाइल का पूरा एक्सेस ठगों के पास चला जाता है। इस तरह ठग आपके मोबाइल की गैलरी और कांटेक्ट लिस्ट देख सकते हैं। लोगों को चाहिए कि इस तरह के मैसेज प्राप्त होने पर सीधे विश्वास न करते हुए कंपनी से इसकी जानकारी प्राप्त करें। उसके लिए कंपनी द्वारा जारी किए गए अधिकृत नंबर पर संपर्क कर पता करलें कि बिल पेंडिग होने का जो मैसेज उन्हें प्राप्त जो रहा है वह सही है क्या। यह भी देखें कि क्या उनका कोई बिल बकाया है भी या नहीं। कभी भी हेल्पलाइन नंबर गूगल से लेने के बजाय संबंधित कंपनी की अधिकृत वेबसाइट से ही प्राप्त करें। साइबर फ्रॉड के मामलों में जागरूक रहकर ही बचा जा सकता है।

क्या सावधानी रखें

अवंतिका गैस एजेंसी के नाम से की जाने वाली धोखाधड़ी के संबंध में Indore Crime Branch की 'Cyber Advisory'

(1). किसी भी अंजान नंबर से आए कॉल पर अंजान व्यक्ति द्वारा स्वयं को अवंतिका गैस से होना बताए जाने पर जल्दबाजी में कभी भी भरोसा न करें। (2). कॉलर द्वारा आपके संबंध में बताई गई जानकारी पर विश्वास न करते हुए, उसके बताए अनुसार कोई भी एप्लीकेशन या APK. फाइल डाउनलोड न करें। (3). अनजान व्यक्ति के द्वारा कितना भी भरोसा दिलाने के बाद भी अपनी बैंकिंग एवं निजी जानकारी कभी भी साझा न करें। (4). किसी भी प्रकार का कोई संदेह होने पर अवंतिका गैस के नजदीकी ऑफिस या ऑफिशियल वेबसाइट से प्राप्त संपर्क नंबर से जानकारी प्राप्त करें। (5). कभी भी बिल भुगतान के लिए Google पर कस्टमर केयर सर्च नही करें, ऑफिशियल वेबसाइट से ही प्राप्त करें। (6). फ्रॉड होने पर तत्काल 1930 / NCRP पोर्टल या इंदौर पुलिस द्वारा संचालित साइबर हेल्पलाइन नंबर 7049124445 पर शिकायत करें।

गूगल सर्च की तरह

मंत्रालय में अब एक कमांड पर मिलेंगे पुराने आदेश

सरकारी आदेशों का हो रहा डिजिटाइजेशन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार एक जनवरी से मंत्रालय में ई-ऑफिस प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। इसके साथ ही अब मंत्रालय में अब सामान्य प्रशासन विभाग, वित्त विभाग समेत अन्य विभागों के पुराने आदेशों का डिजिटाइजेशन किया जा रहा है। इन्हें मंत्रालय के लिए गूगल सर्च की तर्ज पर डेवलअप सॉफ्टवेयर में अपलोड किया जाएगा। इस सॉफ्टवेयर का एक्सेस मंत्रालय के अधिकारियों के पास रहेगा। इस सॉफ्टवेयर में किसी भी डॉक्यूमेंट से संबंधित कुछ नाम या जानकारी लिखकर कमांड देनी होगी। इसके बाद उससे संबंधित आदेश/ सर्कुलर स्क्रीन पर आ जाएंगे। इससे समय की बचत के साथ ही तुरंत फैसले लेने में मदद मिलेगी। पुराने दस्तावेजों की डिजिटाइजेशन से सरकारी कार्यालयों में आधुनिकता और दक्षता बढ़ेगी। इससे सरकार के कामकाज में पारदर्शिता आएंगी।

20 हजार दस्तावेज स्कैन हो चुके

सामान्य प्रशासन विभाग के अब तक 20 हजार से ज्यादा दस्तावेज स्कैन हो चुके हैं। दरअसल, अधिकतर सेवाओं और नियम शर्तों से संबंधित आदेश और सर्कुलर सामान्य प्रशासन विभाग और वित्त विभाग निकालते हैं। अभी वित्त विभाग के आदेश स्कैन होना है। इसके अलावा दूसरे विभाग भी अपने विभाग से संबंधित आदेश और जरूरी निर्देशों को स्कैन कर अपडोल करना चाहते हैं तो उसकी प्रक्रिया कर सकेंगे।

समय की होगी बचत

जीएडी कर्मचारियों से संबंधित आदेश और सर्कुलर समय समय पर जारी करता रहता है। ऐसे में किसी नए निर्णय से पहले उन आदेशों को पढ़ना जरूरी होता है। इन फाइलों की खोजबीन के लिए अधिकारियों को बाबुओं पर निर्भर रहना पड़ता है। इसमें कई बार समय भी लगता है। अब डिजिटाइज्ड डॉक्यूमेंट्स को तुरंत एक्सेस किया जा सकेगा। इससे समय की भी बचत होगी।

दस्तावेजों को सुरक्षित रखना होगा आसन

नई तकनीक से पुराने से पुराने डॉक्यमेंट को सुरक्षित रखा जा सकेगा। इस नई प्रक्रिया में डिजिटल आर्काइविंग के माध्यम से दस्तावेजों को सुरक्षित रखना भी आसान होगा। आग लगने की घटना, किसी प्रकार से दस्तावेजों की अदला-बदली और गुम होने जैसी समस्याएं खत्म होंगी। इससे भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगेगा।

निर्णय लेने में होगी आसानी

सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने कहा कि जीएडी के 20 हजार दस्तावेजों को स्कैन कर लिया गया है। यह कदम हमारे प्रशासन को पारदर्शी और तकनीकी रूप से सक्षम बनाएगा। इससे दस्तावेजों तक आसान पहुंच होगी साथ ही निर्णय लेने में आसानी होगी।

रणजीत हनुमान मंदिर की प्रभात फेरी दिसंबर में

5 लाख से ज्यादा भक्तों के शामिल होने की उम्मीद

इंदौर। प्राचीन रणजीत हनुमान मंदिर से 23 दिसंबर को प्रभात फेरी निकलेगी। कड़ाके की ठंड में लाखों भक्त बाबा की सवारी में शामिल होंगे। पिछले साल 5 लाख भक्त इसमें शामिल हुए थे। इस बार 5 लाख से ज्यादा भक्तों के शामिल होने की उम्मीद की जा रही है। प्रभात फेरी निकालने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। व्यवस्थाओं को लेकर 24 नवंबर को बैठक रखी गई है।

भक्तों से प्रभात फेरी को लेकर सुझाव लिए जाएंगे। प्रशासनिक अधिकारियों से भी प्रभात फेरी को लेकर आगामी दिनों में

मीटिंग की जाएगी। मंदिर के मुख्य पुजारी पं.दीपेश व्यास ने बताया यह सबसे बड़ी प्रभात फेरी होती है। स्वर्ण रथ पर बाबा की प्रभात फेरी निकलेगी। कई साल पहले यह प्रभात फेरी ठेला गाड़ी पर निकाली जाती थी। समय के साथ-साथ इसका स्वरूप बदलता चला गया

प्रभात फेरी के रूट और इसमें क्या-क्या व्यवस्थाएं रखी जाएं, इसे लेकर बैठक मंदिर परिसर में होगी। मंदिर के भक्त मंडल से दो हजार से ज्यादा भक्त जुड़े हैं। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं। इस बार विशेष ध्यान रखते हुए पुलिस और प्रशासन से अधिक से अधिक पुलिस बल की व्यवस्था कराने की आग्रह किया जाएगा। बीते साल प्रभात फेरी में चाकूबाजी की घटना में एक युवक की मौत हो गई थी। बाबा की प्रभात फेरी में लाखों भक्त कड़ाके की ठंड में उमड़ते हैं। तड़के 4 बजे से ही भक्तों का जमावड़ा मंदिर परिसर में लगने लगता है। पूरे मार्ग को सजाया जाता है। मंदिर परिसर के साथ ही बाहर भी आकर्षक सजावट की जाती है। भक्तों को रैली के माध्यम से निमंत्रण दिया जाता है। प्रभात फेरी के समय आतिशबाजी की जाती है। कई जनप्रतिनिधि भी इसमें शामिल होकर बाबा के विग्रह का आशीर्वाद लेते हैं।

भाजपा कार्यकर्ता गोधरा कांड पर बनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट देखने पहुंचे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। गुजरात में 22 साल पहले हुए गोधरा कांड पर आधारित फिल्म साबरमती रिपोर्ट मल्टीप्लेक्स में लग गई है। इस फिल्म को देखने भाजपा और हिंद रक्षक संगठन के कार्यकर्ता व पदाधिकारी पहुंचे।

मंगलवार को एयरपोर्ट रोड स्थित मल्टीप्लेक्स में शो का आयोजन हिंद रक्षक संगठन ने किया था। एक साथ 300 से ज्यादा कार्यकर्ता इस फिल्म को देखने पहुंचे। प्रदेश सरकार ने इस फिल्म को टैक्स फ्री भी कर दिया है। फिल्म देखने विधायक मालिनी गौड़, एकलव्य गौड़ सहित अन्य नेता पहुंचे। उधर इंदौर भारतीय जनता युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष चिंटू वर्मा ने कहा कि फिल्म सच्चाई पर आधारित है। संगठन की तरफ से भी यह फिल्म भाजपा से जुड़े कार्यकर्ताओं को दिखाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बात की खुशी है कि प्रदेश सरकार ने इस फिल्म को टैक्स फ्री किया है।

विधायक मालिनी गौड़ ने कहा कि गुजरात दंगों के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बदनाम करने की कोशिश कांग्रेस करती आ रही है, लेकिन इस फिल्म के जरिए 22 साल बाद सच सामने आया है।

कलेक्टर आशीष सिंह ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने यहां रेसीडेंसी में जिले में पदस्थ राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में अपर कलेक्टर से लेकर जिले में पदस्थ नायब तहसीलदार स्तर तक के अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सिंह ने राजस्व महा अभियान की प्रगति के साथ ही राजस्व प्रकरणों के निराकरण की भी अधिकारी वार प्रगति की समीक्षा की। श्री सिंह ने बैठक में कहा कि सभी अधिकारी राजस्व महा अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। राजस्व प्रकरणों को समय सीमा में निराकृत किया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व महा अभियान के क्रियान्वयन तथा राजस्व प्रकरणों के निराकरण में इंदौर जिले को प्रदेश में अव्वल बनाया जाएगा।

इस बैठक में अपर कलेक्टर

श्री गौरव बैनल, श्रीमती ज्योति शर्मा, श्री रोशन राय, श्री राजेंद्र रघुवंशी तथा श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजस्व महा अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि यह अभियान गति के साथ प्रभावी रूप से आयोजित हो। अभियान के सभी निर्धारित बिन्दुओं पर एक साथ कार्य किया जाए। राजस्व महा अभियान में समय बाह्य विवादित तथा बंटवारा के शत प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण हो। समय बाह्य एक भी प्रकरण लंबित नहीं रहें। इसी तरह अविवादित बंटवारा और अविवादित नामांतरण के शत प्रतिशत प्रकरण भी समय-सीमा में निराकृत किए जाए। अभिलेख दुरुस्ती और नक्शा तरमीम के कार्य को भी प्राथमिकता दी जाए। भू स्वामी आधार ईकेवायसी प्रक्रिया को भी गति देने के निर्देश दिए गए। कहा गया कि सभी भू स्वामियों की आधार ईकेवायसी जल्द से जल्द पूरी हो जाए। उन्होंने सभी एसडीएम से कहा कि वे इस कार्य की प्रगति की हर दिन समीक्षा करें। बैठक में बताया गया कि फार्मर रजिस्ट्री आईडी हर किसान के लिए जरूरी और अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस आईडी के आधार पर ही अब विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलेगा। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जल्द से जल्द हर किसान की फार्मर आईडी बन जाए। पीएम किसान योजना के तहत भी सभी किसानों की ईकेवायसी का कार्य जल्द पूरा हो। उन्होंने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली के निर्देश भी दिए।

महापौर अंतर विद्यालयीन खेल स्पर्धा में 20 लाख रुपए इनाम में दिए जाएंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर में बुधवार, 20 नवंबर से महापौर अंतर विद्यालयीन खेल स्पर्धा शुरू होने जा रही है। 26 अलग-अलग कैटेगरी के स्पोर्ट्स कम्पटीशन होंगे। एमपी बोर्ड, सीबीएसई बोर्ड और चयनित सरकारी स्कूल के 6 हजार खिलाड़ी इन खेलों में हिस्सा लेंगे।

फर्स्ट, सेकंड और थर्ड पोजिशन पर रहने वाली टीमों और खिलाड़ियों को कैश में इनाम दिया जाएगा। टोटल 20 लाख रुपए इसके लिए रखे गए हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा- बजट में प्रस्ताव किया था कि हम इस बार इंदौर खेल महोत्सव करेंगे। यह अंडर -19 कॉम्पिटिशन है। इसके पहले फेस में इंटर स्कूल कम्पटीशन होंगे। मध्यप्रदेश ओलिंपिक संघ इसे करा रहा है। 5 दिवसीय खेल महाकुंभ के समापन के बाद दूसरे फेस में हम वार्ड स्तर के टैलेंट को लाकर एक बड़ा महोत्सव करेंगे। मध्यप्रदेश ओलिंपिक संघ के अध्यक्ष रमेश मेंदोला के नेतृत्व में इंदौर नगर निगम और मध्यप्रदेश ओलिंपिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में खेल स्पर्धाएं होंगी। मप्र ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी के मुताबिक, टेबल टेनिस, बिलयर्ड्स, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, फुटबॉल, जूडो, कराते, शतरंज, बास्केटबॉल, खो-खो, हॉकी, सॉफ्टबॉल, जिमनास्टिक, नेटबॉल, एथलेटिक्स, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, हैंडबॉल, कुश्ती, शूटिंग, कबड्डी, टेनिस, सितौलिया,

सड़क हादसा- युवक की मौत

डंपर ने मारी थी जोरदार टक्कर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। किशनगंज थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में दो पहिया वाहन पर सवार युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार से जा रहे डंपर के चालक ने युवक को टक्कर मार दी हादसे में युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से भाग गया।

पुलिस के मुताबिक हादसा एबी रोड पर मैडिकैप्स चौराहे के समीप हुआ। मृतक का नाम वेद प्रकाश निवासी तेलीखेड़ा है। वह आरटीओ एजेंट का काम करता था। बताया गया कि काम खत्म कर दोपहिया पर सवार होकर वह घर लौट रहा था उसी दौरान मैडिकैप्स चौराहे के समीप पर डंपर चालक ने उसे टक्कर मार दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से उसे गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया जहां डाक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर डंपर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

ट्रक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

इसी प्रकार बाणगंगा इलाके में ट्रक की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गई। वह मोटर साइकिल से जा रहे थे, ट्रक वाले ने पीछे से टक्कर मारी थी। बाणगंगा पुलिस के अनुसार मृतक का नाम कमल पिता नारायण कुशवाह निवासी बापू गांधीनगर है। उसके भांजे राहुल की शिकायत पर ट्रक नंबर एमपी.09एचजी.3538 के चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। एमआर.10 ब्रिज के नजदीक से कमल अपनी मोटर साइकिल से जा रहे थे, तभी आरोपी ट्रक चालक ने तेज रफ्तार से ट्रक ले जाते हुए उन्हें पीछे से टक्कर मार दी,जिसके कारण बुजुर्ग की मौत हो गई।

बस ने ली बाइक सवार की जान, सवारियां भी घायल

तेज गति से आ रही बस ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इससे युवक की मौत हो गई। घटना सिमरोल थाना क्षेत्र के ग्वालू घाट की है। पुलिस के मुताबिक, अमर ज्योति ट्रेवल्स की बस ने ओवरटेक करते हुए मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 09 क्यूए 5589 को टक्कर मार दी। हादसे में बस में बैठी सवारियां भी घायल हो गई। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के मुताबिक, घटना में ग्राम मेंमदी में रहने वाले मनोज पिता हुकमचंद की मौत हो गई। वह बाइक से इंदौर तरफ आ रहा था, तभी हादसे का शिकार हो गया। घटना में त्रिलोक बलिराम निवासी थाना धनगांव खंडवा, आशीष पिता कमल, ममता बाई पति कमल, साजन बाई पति मगुलाल, रंजना बाई पति त्रिलोक सभी निवासी पलसी थाना धनगांव घायल हुए हैं।

लुटेरों की तलाश जारी जल्द पकड़ने का दावा

सुबह-सुबह लाखों के जेवर लूटकर भागे थे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। तुकोगंज इलाके में राणी सती गेट के समीप गत दिनों सुबह-सुबह रियल इस्टेट कारोबारी के साथ लूट की वारदात को अंजाम देते हुए लाखों रुपए के जेवर लूटकर भागे आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हैं। पुलिस की टीम आरोपियों को पकड़ने कई शहरों में डेरा डाले हुए है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों को जल्दी ही गिरफ्त में ले लिया जाएगा।

टीआई जितेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि यशवंत निवास रोड निवासी कमलेश अग्रवाल, उसके बेटे और पड़ोसी से बाइक सवार दो बदमाशों ने लूट की थी। बदमाशों ने इसके पहले छोटी ग्वालटोली थाना क्षेत्र से बाइक भी चुराई थी। दिनदहाड़े हुई लूट की इस वारदात ने पुलिस की सक्रियता पर सवाल खड़े किए थे। पुलिस उपायुक्त हंसराजसिंह के निर्देशन में आरोपियों को पकड़ने पांच टीमें गठित की थी। टीम ने घटना के बाद पुलिस ने 500 से अधिक कैमरे खंगाले थे। इसमें बदमाश उज्जैन की तरफ जाते दिखाई दिए थे। इस पर टीम को उज्जैन रवाना किया था, वहां कैमरे खंगालने के बाद पुलिस को सफलता नहीं मिल पाई। वहीं, कुछ टीमें दिल्ली, मेरठ, गुना रवाना की गई है। क्राइम ब्रांच और खुफिया विभाग की टीम इंदौर में बदमाशों को तलाश रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी पर पुलिस ने 10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया है।

कथाकार ने युवती को धमकाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पुलिस ने कथावचक आयुष दाधीची के खिलाफ धमकी का केस दर्ज किया है। समझौते के नाम पर वो युवती को धमका रहा था। परेशान होकर उसने हाथ की नस भी काट ली थी। भंवरकुआ पुलिस ने बताया कि पिछले दिनों गांधी नगर पुलिस ने युवती की रिपोर्ट पर कथावाचक आयुष के खिलाफ केस दर्ज कराया था। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। जेल से छूटने के बाद उसने युवती से संपर्क किया और फिर से धमकी देने लगा। वो भंवरकुंआं इलाके में मिलने गया था और कह रहा था कि मेरी बात नहीं मानोगे तो जान से खत्म कर दूंगा। धमकी से परेशान होकर युवती ने हाथ की नस काट ली थी। बाद में भंवरकुआं टीआई राजकुमार यादव को मामला बताया तो उन्होंने केस दर्ज किया।

नाबालिग को किया ब्लैकमेल, लाखों के जेवर चुराए

नशा करते हुए बना लिया था वीडियो

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एरोड्रम पुलिस ने अनाज व्यापारी की शिकायत पर पर हेमंत उर्फ बंटी गोरानी(51) के खिलाफ चोरी और हेराफेरी का केस दर्ज किया है। व्यापारी ने बताया कि कालोनी में रहने वाला हेमंत चाइना का मांजा बेचता है। मोहल्ले के बच्चे उसके वहां जाते हैं। आरोप है कि उसने बच्चों को नशे की लत में लगा रखा है।

पुलिस के मुताबिक अनाज व्यापारी राकेश की शिकायत पर पुलिस ने हेमंत उर्फ बंटी गौरानी, निवासी अशोक नगर के खिलाफ केस दर्ज किया है। राकेश ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उनके 16 साल के बेटे को पहले नशे का आदी बनाया। इसके बाद उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया। उसके बाद घर से 45 लाख रुपए के जेवर चुराकर बेच दिए। शिकायत के मुताबिक जुलाई से उनके घर से धीरे-धीरे सोने-चांदी के जेवर गायब होने लगे। इन जेवरों का चुराने वाले का पता नहीं चला। 3 अक्टूबर को बेटा दुर्घटना का शिकार हो गया और करीब 15 दिन तक अस्पताल में रहा। उसके घर आने पर हेमंत के कॉल उसके मोबाइल पर आते थे। बार-बार कॉल आने पर उससे पूछताछ की तो बेटे ने बताया कि जब घर पर कोई नहीं होता तो हेमंत घर आता और घर से सोने के जेवर लेकर चला जाता। इस तरह से कई जेवर उसने चुराए और मार्केट में बेच दिए। आरोपी हेमंत ने पुलिस के सामने जेवर चुराकर सराफा में बेचने की बात कबूली है। उसने कई दुकानदारों के नाम भी बताए हैं। पुलिस जेवर की रिकवरी करने के प्रयास कर रही है।

लापता साफ्टवेयर कंपनी मालिक का पता नहीं चला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। लापता साफ्टवेयर कंपनी मालिक की तलाश में परिजन ने नर्मदा किनारे उसकी सर्चिंग की लेकिन उसका पता नहीं चला। आशंका है कि वह नर्मदा के पानी में लापता हुआ होगा। रामकुमार पिता वैद्यनाथसिंह पटेल निवासी अंशल टाउनशिप तलावली चांदा साथियों के साथ नवाबघाटखेड़ी स्थित श्री करपातरी कल्याणी आश्रम गया था। आश्रम से जुड़े लोगों का कहना है कि वह आश्रम से लापता नहीं हुआ ये सभी लोग नर्मदा किनारे गए थे जिसके बाद आशंका जताई जा रही है कि वह नर्मदा में लापता हुआ होगा।

गाड़ी खड़ी करने को लेकर मारपीट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। तेजाजी नगर पुलिस ने रवींद्र पाल सिंह की रिपोर्ट पर राजेश सिंह और आदित्य के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने की बात पर फरियादी और उसके जीजा के साथ मारपीट हो गई।

कबाड़ दुकान में आग ट्रक भी जला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एक कबाड़ की दुकान में आग लगन `क कारण वहां खड़ा ट्रक जल गया। मैकेनिक नगर विष्णुपुरी स्थित मोहम्मद सलमान पिता मोहम्मद जावेद की कबाड की दुकान को चपेट में ले लिया। इस दौरान आग वहां खड़े एक ट्रक के कैबिन तक जा पहुंची बताया जा रहा है कि ट्रक खाली था। आग कैसे लगी इसका खुलासा नहीं हो पाया है। इसी तरह लसूड़िया परमार में एक बंद पड़े मकान में आग लगने की घटना हुई जिससे घर में रखा सामान आदि जल गया घटना के वक्त घर में कोई नहीं था।

बंगाली चौराहा की शराब दुकान पर शराबियों से परेशान लोग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर के बंगाली चौराहा स्थित शराब की दुकान और वहां चल रहे अवैध आहाते को लेकर क्षेत्र के रहवासियों ने विरोध तेज कर दिया है। मंगलवार को कई रहवासी, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचे। उन्होंने शराब दुकान संचालक और संबंधित लोगों पर गंभीर आरोप लगाए।

एक महिला ने कलेक्टर के सामने कहा कि उन्हें लगातार अलग-अलग तरीकों से धमकियां मिल रही हैं। पीड़ित महिला ने सवाल किया कि अगर उनके या उनके परिवार के साथ किसी भी तरह की अनहोनी होती है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? रहवासियों का कहना है कि शाम होते ही शराबियों का जमावड़ा लग जाता है। इससे महिलाओं और बच्चियों के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं आए दिन हो रही हैं। उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। रहवासियों ने बताया कि चार दिन पहले क्षेत्र की एक महिला के साथ बदसलूकी की गई और उसका मोबाइल फेंक दिया गया। महिला को धमकी दी गई कि 'झांसी की रानी बनने की कोशिश मत करो, अन्यथा परिवार का अंजाम ठीक नहीं होगा।' महिला ने कहा कि उन्होंने कई बार पुलिस को शिकायत की, लेकिन पुलिस केवल राउंड लगाकर चली जाती है। महिला ने यह भी कहा कि अगर मेरे परिवार के साथ कुछ हुआ, तो फिर कौन जिम्मेदार होगा? अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। रहवासियों ने मांग की है कि शराब दुकान का लाइसेंस तुरंत रद्द किया जाए। यदि ऐसा संभव नहीं है, तो उन्हें वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। दूसरी ओर, देवी अहिल्या श्रमिक कामगार सहकारी संस्था के खिलाफ महालक्ष्मी नगर के रहवासी भी जनसुनवाई में पहुंचे। उन्होंने संस्था के पदाधिकारियों पर केस दर्ज करने और जांच कराने की मांग की। लोगों का कहना है कि संस्था के सदस्यों को प्लॉट नहीं दिए जा रहे हैं। उन्होंने वरीयता सूची जल्द बनाने की मांग की।कलेक्टर आशीष सिंह ने आश्वासन दिया कि इस मामले का जल्द समाधान किया जाएगा।

इंदौर में रचेगा फिर नया इतिहास.. हिन्दू आध्यत्मिक एवं सेवा संस्थान के तत्वावधान में पंडित योगेंद्र महंत जी के संयोजन में होने जा रहा है मातृत्व सम्मान समारोह

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर में 1 दिसम्बर रविवार की तारीख फिर होगी ऐतिहासिक क्योंकि विश्व ब्राह्मण समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व राज्यमंत्री पंडित योगेंद्र महंत जी के संयोजन मे स्थानीय लालबाग में होने जा रहा हैं विशाल मातृत्व सम्मान समारोह जिसमें दिव्य संतान प्रकल्प के बारे में अद्भुत एक अनोखा आयोजन होगा जो संभवतः प्रथम बार इंदौर में ही होने जा रहा है।

पं.योगेन्द्र महंत

कार्यक्रम की अधिक जानकारी देते हुए पंडित योगेंद्र महंत जी ने बताया कि हर माँ बाप चाहते है कि उनकी संतान दिव्य हो व खास हो लेकिन उसके लिये क्या तैयारी करना है क्या उपाय हो इसके बारे में उन्हें जानकारी नही होती हैं इसी बारे में सम्पूर्ण जानकारी का एक सेमिनार का आयोजन हम लोग करने जा रहे है जिसमें स्त्रियों को गर्भवती होने से संतान की उत्तपति तक के समस्त उपाय,खानपान व अन्य बाते प्रमुख विशेषज्ञों के द्वारा दी जायेगी जिससे कि हर माँ बाप की सतांन दिव्य हो इसके लिये विशेष रूप से जामनगर गुजरात की सुश्री करिश्मा नरवानी ,सूरत से सुश्री हिना बहन व इंदौर के डॉक्टर अनिल गर्ग जानकारी साझा करेंगें। ये कार्यक्रम रविवार अवकाश के दिन इसी लिए आयोजित किया जा रहा है जिसमें ज्यादा से ज्यादा मातृ शक्ति भाग ले सकें व इस अद्भुत आयोजन का फायदा ले सके ।कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील आयोजन समिति के समस्त सदस्यों व महंत जी मित्र मंडल ने की है।

अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी किलिमंजारो पर तिरंगा फहराएंगी मुस्कान, सीएम ने की चार लाख रुपये देने की घोषणा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। पर्वतारोही मुस्कान रघुवंशी अब अफ्रीका के तंजानिया में स्थित सबसे ऊंचे पर्वत माउंट किलिमंजारो पर तिरंगा फहराएंगी। अशोकनगर की मुस्कान को मंगलवार को कलेक्ट्रेट प्रांगण में अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और शहर के गणमान्य नागरिकों ने फूल मालाएं पहनाकर और तिरंगा सौंपकर रवाना किया। सीएम मोहन यादव ने मुस्कान को राज्य सरकार की ओर से चार लाख की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है।

बता दें, राष्ट्रीय के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी अशोकनगर की मुस्कान रघुवंशी ने सबसे पहले साइकिल से नर्मदा परिक्रमा और फिर कश्मीर से कन्याकुमारी तक की भी यात्रा पूरी की थी। इसके बाद इसी साल ऑस्ट्रेलिया के माउंट कोजिस्को पर तिरंगा फहराया था और अब अफ्रीका के दुर्गम पर्वत किलिमंजारो पहुंचकर तिरंगा फहराकर देश का नाम ऊंचा करेंगी।

पुष्प वर्षा कर स्वागत किया

मुस्कान को अशोकनगर से रवाना करने के दौरान उसका उत्साहवर्धन करते हुए मालाएं पहनाकर पुष्प वर्षा की गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे। मीडिया से चर्चा करते हुए मुस्कान ने कहा कि इस पूरी यात्रा में हम कुल आठ लोग हैं, जिनमें से एमपी से मैं अकेली हूं। बाकी अन्य राज्यों से भी लोग इसमें शामिल हैं। वहीं, अपने स्पॉन्सर को धन्यवाद देते हुए मुस्कान कहती हैं कि मुझे काफी सपोर्ट मिला

है और मैं चाहती हूं कि ऐसा लीडर हर जगह हो, जो महिलाओं की इतनी मदद करे।

सीएम ने दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पर्वतारोही मुस्कान रघुवंशी को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए चार लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि देने के निर्देश दिए हैं। मुस्कान अशोक नगर जिले के ग्राम महाना के निवासी रामकृष्ण रघुवंशी की बेटी हैं। सीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश की यह बेटी नई सफलताएं प्राप्त करेगी।

भोपाल से बीपीएड कर रही

बता दें, 23 वर्ष की मुस्कान भोपाल के रविन्द्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय से बीपीएड का पाठ्यक्रम कर रही हैं। उन्होंने जब आस्ट्रेलिया के पर्वत की चोटी को छुआ था तो अपने आयु वर्ग में सबसे कम उम्र की पर्वतारोही थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 24 अगस्त 2024 को चंदेरी प्रवास के दौरान मुस्कान को उनके द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड के लिए बधाई दी थी।

बलवाड़ा घाट पर तेज रफ्तार यात्री बस पलटी बाइक सवार की दबने से मौके पर हुई मौत

खरगोन। मध्यप्रदेश में बड़वाह ब्लॉक (खरगोन) के बलवाड़ा के इंदौर-इच्छापुर हाइवे पर स्थित ग्वालुघाट पर मंगलवार शाम करीब चार बजे एक तेज रफ्तार यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें दो बाइक सवार भी चपेट में आ गए, जिसमें नीचे दबी एक बाइक में युवक की मौके पर मौत हो गई। वहीं, दूसरी बाइक सवार पति-पत्नी बाल-बाल बच गए, जिन्हें मामूली चोट आई है।

बताया जा रहा है कि करीब 40 वर्षीय मृतक युवक मनोज पिता हुकुमचंद निवासी सिमरोल थाना क्षेत्र बड़वाह की ओर से

अपने घर जा रहा था। वहीं, बस इंदौर से खंडवा जा रही थी। बस में करीब 45 से 50 यात्री सवार थे, जिसमें दर्जन भर यात्रियों को हल्की-फुल्की चोट आई है। वहीं, मृतक के शव को पीएम के लिए बड़वाह के सिविल अस्पताल लाया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही बलवाड़ा टीआई अनिल बावनिया और बड़वाह तहसीलदार शिवराम कनासे मौके पर पहुंचे। बस में सवार यात्रियों को सड़क पर वाहन रोककर लोगों ने निकाला। एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी देते हुए बताया, बस की गति काफी तेज थी। अन्य लोगों ने बताया कि वह तो गनीमत रही कि बस झाड़म जाकर अटक गई। नहीं तो खाई में कई फीट नीचे गहराई में चली जाती। उल्लेखनीय है कि इंदौर-खंडवा सड़क मार्ग पर बसों को इतने परमिट हैं कि हर दो मिनट पर एक गाड़ी है।

श्रीराम कथा सुनने सिविल पहुंची पुलिस ने 13 महिलाओं को किया गिरफ्तार, पांच सोने की चेन बरामद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शहडोल। कोतवाली थाना क्षेत्र के पॉलिटेक्निक मैदान में चल रही रामकथा सुनने पहुंच रही महिलाओं की चेन स्नेचिंग की घटनाएं बढ़ रही थी, तो पुलिस खुद सिविल ड्रेस में कथा सुनने पहुंची और संदेहियों का पीछा कर 40 किलोमीटर दूर से 13 आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार किया है, जो उत्तर प्रदेश और बिहार की रहने वाली हैं।

महिलाओं के कब्जे से पुलिस ने 100 ग्राम बजनी पांच सोने की चोरी की गई चेन बरामद कर ली है। जानकारी के अनुसार श्रीराम कथा में प्रसाद वितरण के दौरान चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह का कोतवाली पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया। गिरफ्तार किए गए दो गिरोह के 13 आरोपियों में सभी महिलाएं हैं, जो यूपी-बिहार के अलग-अलग जिलों से हैं। पुलिस के अनुसार संत राजन जी महराज की रामकथा 10 से 18 नवंबर तक पॉलिटेक्निक मैदान में हुई।

इस दौरान चेन स्नेचिंग की शिकायतें मिली थीं। थाना प्रभारी राघवेंद्र तिवारी ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने पुरुष व महिला पुलिसकर्मियों को सादी वर्दी में कथा सुनने भेजा गया। चार दिन तक कथा के दौरान श्रोता भक्तों के बीच समय बिताने के बाद कुछ संदिग्ध महिलाओं की पहचान की गई। पीछा करने पर पता चला कि शहडोल से 40 किलोमीटर दूर बीरसिंहपुर रेलवे स्टेशन में महिलाओं ने डेरा जमा रखा है। वहां से वे ऑटो व दूसरे साधन से कथा स्थल तक पहुंचकर चेन स्नेचिंग करती थीं।

आरोपी प्रसाद वितरण का समय इसलिए चुनते थे कि इस समय महिलाओं का पूरा ध्यान प्रसाद लेने में रहता था, तभी धारदार कैंची से चेन काट ली जाती थी। आरोपी सोने की चेन अंतःवस्त्र में छिपाकर रखती थीं। आरोपियों के पास से 100 ग्राम वजनी 5 सोने की चेन जब्त कीं गईं। इनका बाजार मूल्य लगभग 8 लाख रुपए है।

इनकी हुई गिरफ्तारी

बिहार के बक्सर से काजल कुमारी (25), गौरी कुमारी (20), पटना से करिश्मा (25), उप्र के गाजीपुर जिले से पिंकी देवी (50), रसूलपुर से अंजली कुमारी (21), मंजू कुमारी (45), जंगपुर से पूजा कुमारी(20), रूनू कुमारी (20), बनारस से राधा देवी (52), मुगुनी (20), रिंकू देवी (28), बेबी कुमारी (20) व प्रीति (24) शामिल है।

सोने का हार देख ई-रिक्शा चालक का नही बिगड़ा ईमान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों के साथ घटना और वारदात की खबरें हमेशा सामने आती हैं। लेकिन ई-रिक्शा चालक का ईमान उस वक्त नहीं बिगड़ा, जब उसे अपने ही रिक्शा में मिले पर्स और उसमें रखे सोने का हार और हजारों की नकदी दिखाई दी। चालक ने पुलिस से संपर्क कर दमोह से आई आंटी को पर्स लौटा दिया।

सीएसपी ओमप्रकाश मिश्रा ने बताया कि सुबह खाराकुआं थाने पर दमोह की रहने वाली सुनीता पति नवीन टंडन पहुंची थी। उन्होंने बताया कि खन्ना परिवार में आयोजित शादी में शामिल होने आई थी। क्षिप्रा नदी किनारे शहनाई गार्डन से पानदरीबा जाने के लिए ई-रिक्शा में बैठी थी। गलती से पर्स रिक्शा में छूट गया है, जिसमें 70 हजार रुपये कीमत का सोने का हार और 15 हजार रुपये के साथ दस्तावेज रखे हुए हैं। सुनीता टंडन की बात सुनने के

बाद वायरलेस सेट पर पाइंट चलाया गया और सभी थाना पुलिस को पर्स मिलने के साथ किसी के द्वारा दिए जाने की जानकारी खाराकुआं पुलिस को अवगत कराने की बात कही गई। कुछ देर में पता चला कि महाकाल थाने पर ई-रिक्शा चालक पहुंचा है, जिसके पास उक्त बैग है, वह बैग लौटना चाहता है। सीएसपी के अनुसार, खबर मिलते ही रिक्शा चालक को मालीपुरा आने के लिए कहा गया। जहां सुनीता टंडन परिवार के साथ पहुंच गई थी। रिक्शा चालक ने उन्हें पर्स लौटा दिया, जिसमें रखा सोने का हार, नकद रुपये और सभी दस्तावेज मौजूद थे। रिक्शा चालक की ईमानदारी को देखते हुए सुनीता टंडन ने उसे इनाम के रूप में एक हजार रुपये दिए। लेकिन रिक्शा चालक मना करने लगा और कहा कि आंटी हमारा फर्ज था, आंटी ने उसे इनाम की राशि सौंपी। तोपखाना क्षेत्र में रहने वाला इमरान पिता तौफिक अहमद महाकाल मंदिर क्षेत्र से ई-रिक्शा चलाने का काम करता है। उसका कहना है कि वह पानदरीबा सवारी छोड़ कर निकल गया था। उसने आंटी को उतारने के बाद पीछे नहीं देखा था। गुदरी चौराहा पर आने के बाद दूसरी सवारी ने रिक्शा रोका तो उन्हें बैठाने के दौरान रिक्शा में लेडिस हैंड बैग दिखाई दिया, जिसे खोलने पर उसमें सोने का हार और हजारों रुपये रखे दिखाई दिए। उसने सवारी को बैठाया और उनके गतंव्य पर छोड़ने के बाद महाकाल थाना पुलिस को बैग मिलने की जानकारी दी। सीएसपी ओमप्रकाश मिश्रा ने बताया कि रिक्शा चालक की ईमानदारी को देखकर पुलिस विभाग की ओर से उसे प्रशंसा प्रेषित की गई है। वहीं, रिक्शा चालक का नाम-पता दर्ज किया गया है।

शादी में खाना कम पड़ने का कहा तो गोली मारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ग्वालियर। ग्वालियर में ट्रांसपोर्टर और उसके साले को गोली मारने की वजह शादी में खाना कम पड़ने का उलाहना निकला है। आरोपी अपनी शादी को लेकर फैलाई जा रही इस बात से इतना भड़का कि दोनों लोगों की जान लेने की कोशिश की। पुलिस से पूछताछ में उसने इसका खुलासा किया। वारदात 16 नवंबर देर रात की है। ग्वालियर के मुरार थाना क्षेत्र में बड़ा गांव पुलिया के पास अजीत जाट ने ट्रांसपोर्टर रविंद्र राणा और उसके साले राहुल को गोली मार दी थी। ट्रांसपोर्टर की कमर तो साले के हाथ में गोली लगी। अजित जाट और उसके दो साथी मौके से भाग निकले। 17-18 नवंबर की दरमियानी रात अजीत जाट और उसके साथी संजय गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया गया। तीसरे आरोपी नरेंद्र यादव को 18 नवंबर की दोपहर में गिरफ्तार किया गया। अजीत ने बताया कि रविंद्र और राहुल उसकी बेइज्जती कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के बाद देर शाम वारदात की वजह का खुलासा किया।

संपादकीय

बुलडोजर एक्शन

देश के महानगर से लेकर छोटे शहरों में अतिक्रमणों की बाढ़ आई हुई है। ये अतिक्रमण एक दिन में नहीं हुए। अतिक्रमियों ने सार्वजनिक सुविधा के क्षेत्र तक नहीं छोड़े। देश में शायद ही ऐसी कोई सड़क या फुटपाथ होगा, जहां अतिक्रमण ने पांव नहीं पसारे। वन क्षेत्र हो या गोचर भूमि, यहां तक की तालाब, नदियों और झीलों के बहाव क्षेत्र भी अतिक्रमियों की भेट चढ़ गए, किन्तु शासन-प्रशासन की तंद्रा भंग नहीं हुई। ये तभी जागते हैं जब अदालतों का डंडा चलता है। इन अतिक्रमियों के निर्माण पर बुलडोजर चलाने से सब कतराते हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार से शुरु हुआ बुलडोजर एक्शन का यह सिलसिला पूरे देश में फैल गया था। राज्यों की सरकारों ने इसका राजनीतिक इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखी। वोट बैंक राजनीति ऐसे फैसलों में साफ नजर आती है। हालांकि उत्तर प्रदेश में बुलडोजर एक्शन अपराधियों के आवास और व्यवसायिक प्रतिष्ठान गिराने के लिए लिया गया था। बुलडोजर एक्शन में भी अपराधियों में भेदभाव के उदाहरण मौजूद हैं। इसका दुरुपयोग भी सांप्रदायिक आधार पर किया गया। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी सख्त कार्रवाई से अपराधियों में कहीं न कहीं खौफ उत्पन्न होता है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने जिस तरह माफिया या गैंगस्टर का सफाया किया, उससे काफी हद तक अपराधों पर लगाम लग सकी है। इस कार्रवाई से शायद ही कोई इत्तफाक रखता हो। सवाल यही आता है कि अपराध रोकने की आड़ में सरकार क्या कानून से ऊपर है। बुलडोजर एक्शन में यही बात नजर आती है। दरअसल यह काम देश की अदालतों का है कि सुनवाई के बाद आरोपी को सजा देने या नहीं देने का। बुलडोजर एक्शन में ऐसे न्याय की संभावना पहले ही खत्म हो जाती है, जहां बगैर किसी सुनवाई के फैसला सुना दिया जाता है। इससे यदि आरोपी गलत ना भी हो तो उसे घर या दुकान तुड़वाने की सजा भुगतनी पड़ती है। जबकि सजा तय करने की जिम्मेदारी अदालतों की है। सरकारों की यह हरकत निश्चित तौर पर अदालतों के मामले में दखलंदाजी रही है। बुलडोजर एक्शन की कार्रवाई सरकारों को बेशक सस्ती लोकप्रियता दिला सकती है, न्याय नहीं। महाराजगंज जिले में सड़क के फोर लेन की चौड़ीकरण के संबंध में एक व्यक्ति के मकान गिराने के लेकर कोर्ट ने काफी तीखी टिप्पणी दी और उत्तर प्रदेश सरकार पर 25 लाख का जुर्माना भी लगाया। हालांकि यह विकास कार्यों के लिए की गई कार्रवाई थी। इसमें सरकार की वह मंशा नहीं थी कि किसी अपराधी का घर गैरकानूनी अवैध कब्जा की बात कहकर गिराई गई हो। फिर भी कोर्ट ने पीडित की बात सुनी। इस तरह के अतिक्रमण हटाने के भी कायदे-कानून बने हुए हैं। उनका पालना किए गए बगैर सीधे बुलडोजर दौड़ा देना, अन्याय ही कहा जाएगा। ऐसे मामलों की भी कमी नहीं हैं, जहां आम आदमी की सम्पत्ति को अतिक्रमण के नाम पर ढहा दिया जाता है, वहीं रसूखदारों की तरफ प्रशासन की आंख उठाने की भी हिम्मत नहीं होती। देश का शायद ही ऐसा कोई शहर होगा जहां, प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण तोडने में सरकार और प्रशासन ने उदाहरण पेश किए होंगे। सरकार और प्रशासन प्रभावशाली लोगों के सामने कैसे नतमस्तक हो जाते हैं, इसका सबसे बड़ा उदाहरण नोएडा के ट्विन टावर का मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2021 में सुपरटेक के नोएडा एक्सप्रेसवे पर स्थित एमराल्ड कोर्ट प्रोजेक्ट के अपैक्स और सियान टॉवरों को अवैध ठहराया था। दोनों 40 मंजिला टावरों को ढहाने का आदेश दिया गया। कोर्ट ने कंपनी को फ्लैट खरीदारों को ब्याज के साथ पैसे वापस करने का आदेश दिया। जबकि इस मामले में सरकार और नोएडा ऑथरिटी सब कुछ जानते हुए भी हाथ पर हाथ धरे हुए बैठे रहे। नोएडा अथॉरिटी को भी इस ध्वस्तिकरण पर निगरानी करने और रिपोर्ट अदालत को देने का आदेश दिया गया है। इस आदेश के कुछ महीनों बाद बाद ट्विन टावर को ढहा दिया गया। बुलडजोर एक्शन लेने वाली सरकार और प्रशासन को यह पहले से ही पता था कि ये टावर नियमों के विपरीत बनाए गए हैं। इसके बावजूद शासन-प्रशासन में बैठे जिम्मेदार आंखें मूंदे बैठे रहे। यहां बुलडोजर चलाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। इसकी उपेक्षा ऐसे ही नहीं की गई। इसमें भारी भ्रष्टाचार की गंध चारों तरफ से आ रही थी, किन्तु अदालत के फैसले से पहले किसी ने इसकी परवाह नहीं की, वहीं कमजोर के मामले में बुलडोजर एक्शन लेने में फुर्ती दिखाई जाती है। देश में भूमाफिया और बिल्डर की शासन-प्रशासन से मिलीभगत के किस्से आम हैं।

ज्ञान-विज्ञान

नकली बादल असली बारिश...

जानिए दिल्ली में क्लाउड सीडिंग किस तकनीक से होगी, कितना होता है खर्च?

लगता है इस बार प्रदूषण से निजात पाने के लिए दिल्ली की सरकार नकली बादलों के जरिए असली बारिश कराएगी. इसकी तैयारी भी हो चुकी है. दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कृत्रिम बारिश (Artificial Rain) के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को चिट्ठी लिखी है. राय ने चिट्ठी में कहा है कि दिल्ली में प्रदूषण बेहद गंभीर श्रेणी में है और इससे निपटने के लिए कृत्रिम बारिश कराने की जरूरत है.

राय ने दिल्ली की स्मोग को मेडिकल इमरजेंसी नाम दिया है. सवाल ये है कि क्या आर्टिफिशियल बारिश कराना इतना आसान है? बारिश होने की गारंटी है या नहीं? इससे कितने दिन प्रदूषण कम होगा? कितना खर्च आएगा?

पिछले साल भी दिल्ली सरकारक 20 और 21 नवंबर को दिल्ली पर नकली बादलों से असली बारिश की योजना लेकर आई थी. काम की जिम्मेदारी IIT कानपुर को दी गई थी. पर किसी वजह से ऐसा हुआ नहीं. पर क्या इस बार हो पाएगी ये बारिश. इससे कितना खतरा है, ये भी जान लीजिए.

कृत्रिम बारिश के लिए जरूरी है.. आसमान में 40% बादल

पहली हवा की गति और दिशा. दूसरी आसमान में 40% बादल होने चाहिए. उन बादलों में थोड़ा पानी होना चाहिए. अब इन दोनों स्थितियों में थोड़ी कमी-बेसी चल जाती है. लेकिन ज्यादा अंतर हुआ तो दिल्ली पर कृत्रिम बारिश कराने का ट्रायल बेकार हो जाएगा. गलत असर भी हो सकता है. ज्यादा बारिश हो गई तो भी दिक्कत होगी.

क्या है आर्टिफिशियल बारिश का प्रोसेस?

कृत्रिम बारिश के लिए वैज्ञानिक आसमान में एक तय ऊंचाई पर सिल्वर आयोडाइड, ड्राई आइस और साधारण नमक को बादलों में छोड़ते हैं. इसे क्लाउड सीडिंग (Cloud Seeding) कहते हैं. जरूरी नहीं कि इसके लिए विमान से बादलों के बीच उड़ान भरी जाए. यह काम बैलून, रॉकेट या ड्रोन से भी कर सकते हैं. इन कामों के लिए बादलों का सही सेलेक्शन जरूरी है. सर्दियों में बादलों में पर्याप्त पानी नहीं होता. इतनी नमी नहीं होती कि बादल बनें. मौसम ड्राई होगा तो पानी की बूंदे जमीन पर पहुंचने से पहले ही भांप बन जाएंगी.

इस बारिश से प्रदूषण कम होगा या नहीं

अभी तक इस बात के वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिले हैं कि ऐसी बारिश से प्रदूषण कम होगा या नहीं. या कितना कम होगा. क्लाउड सीडिंग के लिए छोटे सेसना या उसके जैसे विमान से सिल्वर आयोडाइड को हाई प्रेशर वाले घोल का बादलों में छिड़काव होता है. इसके लिए विमान को हवा की दिशा से उल्टी दिशा में उड़ाया जाता है.

सही बादल से सामना होते ही केमिकल छोड़ देते हैं. इससे बादलों का पानी जीरो डिग्री सेल्सियस तक ठंडा हो जाता है. जिससे हवा में मौजूद पानी के कण जमते हैं. कण इस तरह से बनते हैं जैसे वो कुदरती बर्फ हों. इसके बाद बारिश होती है. वैज्ञानिकों के अनुसार कृत्रिम बारिश स्मोग या गंभीर वायु प्रदूषण का स्थाई इलाज नहीं है. इससे कुछ देर के लिए राहत मिल सकती है. 4-5 या 10 दिन. दूसरा खतरा ये है कि अगर अचानक तेज हवा चली तो केमिकल किसी और जिले के ऊपर जा सकता है. आर्टिफिशियल बारिश दिल्ली में होने के बजाय मेरठ में हो गई तो सारी मेहनत बेकार. इसलिए बादलों और हवा के सही मूवमेंट की गणना भी जरूरी है.

एक बार बारिश की लागत 10-15 लाख रुपए

दिल्ली में अगर कृत्रिम बारिश होती है, तो उस पर करीब 10 से 15 लाख रुपए का खर्चा आएगा. अब तक दुनिया में 53 देश इस तरह का प्रयोग कर चुके हैं. कानपुर में छोटे विमान से इस आर्टिफिशियल रेन के छोटे ट्रायल किए गए हैं. कुछ में बारिश हुई तो कुछ में सिर्फ बूंदाबांदी. दिल्ली में 2019 में भी आर्टिफिशिल बारिश की तैयारी की गई थी. लेकिन बादलों की कमी और ISRO के परमिशन की वजह से मामला टल गया था.

Uttarpradesh

बांके बिहारी मंदिर में इस कदर उमड़ी भीड़, तीन महिलाएं बेहोश, पंजाब से आए बुजुर्ग श्रद्धालु की मौत

मथुरा, (एजेंसी) जालंधर(पंजाब) से ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर में दर्शन के दौरान वृद्ध बेहोश हो गया। उसे उपचार के लिए सौ शैय्या अस्पताल ले जाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जालंधर रणधीर तलवार(72) पत्नी, बेटी रीना और दामाद संजय संग मंगलवार दोपहर वृंदावन पहुंचे। शाम करीब 5.30 बजे ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर में प्रभु के दर्शन करने पहुंचे। दर्शन करते समय रणधीर तलवार अचानक अचेत हो गए। जिन्हें तत्काल एंबुलेंस से संयुक्त जिला अस्पताल पहुंचाया गया। यहां मौजूद चिकित्सक ने चिकित्सीय परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। चिकित्सक के अनुसार वृद्ध को जब अस्पताल लाया

गया था, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। कोतवाल रवि त्यागी ने बताया कि वृद्ध की मौत हुई है। फिलहाल कोई भी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर जांच करके मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

श्रीजी और ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर में 3 महिलाएं बेहोश

वहीं वृंदावन में बिहारीजी के दर्शन को आई इंदौर की महिला गेट नंबर एक पर बेहोश हो गई। आनन फानन में उसे सौ शैय्या में अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद महिला की हालत में सुधार है। मंगलवार को दीक्षा (36) पत्नी दिनेश निवासी पीतमपुरा, इंदौर(मध्य प्रदेश) मंगलवार को दर्शन के लिए ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर के दर्शन को आई। मंदिर में दर्शन करने के बाद महिला गेट नंबर एक पर बेहोश हो गई। स्थानीय श्रद्धालु

Uttarpradesh

संभल की जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने का दावा, कोर्ट के आदेश पर 2 घंटे सर्वे इलाका छावनी में तब्दील

संभल, (एजेंसी) संभल की सदर शाही जामा मस्जिद पर एक बार फिर हरिहर मंदिर होने का दावा किया गया है। कैला देवी के महंत ऋषि राज गिरि ने सिविल न्यायालय में वाद दायर कर सर्वे के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने की मांग की थी। न्यायालय ने इसे स्वीकार करते हुए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त कर उनसे 29 नवंबर तक रिपोर्ट मांग ली। उधर, शाम होते-होते सर्वे के लिए टीम जामा मस्जिद पहुंच गई। इसकी जानकारी होते ही मुस्लिम पक्ष में नाराजगी फैल गई। लोग मस्जिद के इर्द-गिर्द और छतों पर जमा हो गए। प्रशासन ने वादी महंत ऋषिराज को मस्जिद के पास से हटा दिया। टीम करीब दो घंटे की फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी के बाद लौट गई। इस दौरान मस्जिद के आसपास का इलाका छावनी बना रहा। कैला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरि मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के चर्चित अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के साथ जिला न्यायालय पहुंचे। उन्होंने जिला न्यायालय स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य सिंह की अदालत में जामा मस्जिद की जगह पर पूर्व में हरिहर मंदिर होने का दावा पेश किया। याचिका में उन्होंने केंद्र, राज्य सरकार, एएसआई के अलावा जामा मस्जिद की कमेटी को पक्षकार बनाया है। सदर शाही जामा मस्जिद को लेकर चर्चाओं में रहे पुराने विवाद ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया। मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे के बाद शहर का माहौल अचानक गरमा गया।

Uttarpradesh

बॉक्सिंग कोच ने महिला बैडमिंटन कोच से की यौन संबंध बनाने की डिमांड, पुलिस ने भेजा जेल

कानपुर, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के कानपुर से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. जहां महिला बैडमिंटन कोच से स्पोर्ट्स क्लब के बॉक्सिंग कोच अब्दुल करीम ने अश्लील प्रस्ताव देकर परेशान किया. पीड़िता ने इस घटना की शिकायत स्थानीय थाने में दर्ज कराई. आरोपी और पीड़िता एक ही स्पोर्ट्स क्लब में कोचिंग करते हैं. आरोपी बॉक्सिंग कोच की पहचान अब्दुल करीम नाम के शख्स के तौर पर हुई है. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि अब्दुल करीम 17 नवंबर को उसके फ्लैट में आकर कहा, मुझे यौन संबंध बनाने की जरूरत है, सिर्फ तुम मेरी मदद कर सकती हो. इस बात पर महिला कोच ने उसे तुरंत फ्लैट से बाहर निकाल दिया. लेकिन आरोपी यहीं नहीं रुका और उसने फ्लैट के बाहर भी उसने हंगामा शुरू कर दिया और गेट पर सिर पटकने लगा. महिला बैडमिंटन कोच ने जब शोर मचाया, तो पड़ोसी इकट्ठा हो गए. क्लब मैनेजर को बुलाया गया, जिन्होंने आरोपी को थप्पड़ मारकर वहां से भगाया. आरोपी बॉक्सिंग कोच इस पर भी नहीं रुका उसने महिला के फोन पर अश्लील संदेश भेजने शुरू कर दिए.

Bihar

श्राद्धकर्म के दौरान खाना परोस रहे बच्चे की गोली मारकर हत्या, मची अफरा-तफरी

आरा, (एजेंसी) बिहार के आरा में मंगलवार की देर रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब श्राद्धकर्म के भोज में खाना परोस रहे एक किशोर की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. हालांकि वारदात के पीछे क्या वजह थी, यह स्पष्ट नहीं हो सका है. सूचना मिलते ही सदर एएसपी परिचय कुमार और स्थानीय थाने के अलावा भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और छानबीन शुरू की.

जानकारी के अनुसार, मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के भकुरा गांव के रहने वाले शिव प्रसन्न राय उर्फ यादव का 12 वर्षीय बेटा रितिक 8वीं में पढ़ता था. किशोर की मौसी की सास का निधन हो गया था तो वह श्रद्धाकर्म में शामिल होने अलीपुर गांव पहुंचा था. अलीपुर में देर रात किशोर श्राद्धकर्म के भोज में खाना परोस रहा था, तभी किसी ने अचानक

उसे गोली मार दी. गोली लगते ही बच्चा जमीन पर गिर गया. घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई. परिजन आनन-फानन में बच्चे को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी. डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. किशोर की मां ने बताया कि बेटा अपनी मौसी की सास के निधन पर श्राद्धकर्म भोज में शामिल होने गया था. वहां जब वो पंगत में बैठे लोगों को खाना परोस रहा था, तभी किसी ने उसे गोली मार दी. गोली मारने वाला कौन था और उसने किस वजह से बेटे को

खेल

नडाल के संन्यास लेने से पहले फेडरर का भावुक संदेश, बोले-

उन्होंने टेनिस का अधिक आनंद दिलाया

नई दिल्ली, (एजेंसी) स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल डेविस कप फाइनल्स के बाद टेनिस को अलविदा कह देंगे। पुरुष एकल वर्ग में सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी नडाल की गिनती दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी में होती है। उनके संन्यास लेने से पहले वर्षों तक नडाल के खिलाफ खेलते रहे रोजर फेडरर ने उनके लिए एक भावुक संदेश दिया है। नडाल के दोस्त और कड़े प्रतिद्वंद्वी फेडरर ने कहा कि नडाल ने उन्हें टेनिस का अधिक आनंद दिलाया।

फेडरर ने कहा है कि 40 मैच और 15 वर्ष तक चली दोनों के बीच प्रतिद्वंद्विता टेनिस प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र रही। फेडरर ने नडाल के लिए सोशल मीडिया पर भावुक संदेश में लिखा, जब आप टेनिस का स्नातक होने को तैयार हैं, मैं भावुक होने से पहले कुछ चीजें साझा करना चाहता हूं। आपने मुझे ज्यादा बार हराया,

जितनी आपने मुझे चुनौती दी, अन्य कोई नहीं दे सका। क्ले कोर्ट में जब भी आपके खिलाफ खेला, मुझे लगा मैं आपके घर के पीछे के हिस्से में खेल रहा हूं। यहां मेरी उम्मीद से ज्यादा आपने मुझे संघर्ष कराया। यहां मैं आपके खिलाफ बस अपना पक्ष ही रख सका। आपने मुझे मेरे खेल की फिर से कल्पना करने पर मजबूर किया, यहां तक मैंने रैकेट के ऊपरी हिस्से का आकार भी बढ़ाया। आपका क्या शानदार रिकॉर्ड रहा है, 14 फ्रेंच ओपन के खिताब ऐतिहासिक हैं। आपने स्पेन और टेनिस की पूरी दुनिया को गौरवान्वित किया है।

नडाल-फेडरर के बीच रही कड़ी प्रतिद्वंद्विता

फेडरर का करियर की शुरुआत में ग्रैंडस्लैम के फाइनल में रिकॉर्ड 7-0 था, लेकिन 2006 में नडाल ने फ्रेंच ओपन के फाइनल में उन्हें पहली बार हराया। नडाल ने फेडरर को 2008 में लगातार छठा विंबलडन खिताब जीतने से रोका। नडाल का फेडरर के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 26-14 है। ग्रैंडस्लैम में यह रिकॉर्ड 10-4 और ग्रैंडस्लैम के फाइनल में यह 6-3 है।

फेडरर ने सितंबर, 2022 में लेवर कप के दौरान टेनिस को अलविदा कहा, तब वह नडाल के साथ जोड़ी बनाकर खेले थे। इस दौरान नडाल उनके साथ रो रहे थे। फेडरर ने कहा, उस दौरान आपका मेरे साथ होना मेरे लिए काफी मायने रखता है। आप मेरे प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं बल्कि मेरे युगल साथी के रूप में मेरे साथ थे। आपके साथ उस रात कोर्ट और आपके आंसुओं को साझा करना, मेरे करियर के हमेशा सबसे विशेष क्षण रहेंगे। राफा, मैं जानता हूं आपका ध्यान अपने करिअर के अंतिम मुकाबले पर है, जब यह पूरा हो जाएगा तब हम बात करेंगे।

सिनेमा

'मिर्जापुर' फिल्म में होगी कंपाउंडर की वापसी, फिर उस्तरा चलाने तैयार अभिषेक बनर्जी

अमेजन प्राइम वीडियो की जबरदस्त हिट सीरीज 'मिर्जापुर' फैंस की फेवरेट रही है. इस सीरीज को अब फिल्म में तब्दील किया जा रहा है. इस बीच फैंस को जश्न मनाने का एक और कारण मिल गया है. एक्टर अभिषेक बनर्जी, जो 'कंपाउंडर' के अपने यादगार किरदार के लिए जाने जाते हैं, जल्द मिर्जापुर फिल्म में वापसी करने के लिए तैयार हैं. बड़े पर्दे पर किरदार को फिर से जीवंत करते हुए अभिषेक बनर्जी के चाहनेवाले इस खबर से बेहद खुश हैं. 'मिर्जापुर' मूवी पहले से ही देश भर में उत्साह पैदा कर रही है. 'मिर्जापुर' के सीजन 1 में कंपाउंडर के रूप में अभिषेक बनर्जी की परफॉर्मेंस सीरीज की सबसे चर्चित चीजों में से एक रही थी. अपने गहरे, तीखे चित्रण के लिए जाने जाने वाले बनर्जी के किरदार ने दर्शकों की कल्पना पर कब्जा कर लिया था. इस भूमिका में उनकी वापसी ने फैंस को रोमांचित कर दिया है. सभी को इस रोल में एक्टर को देखने का इंतजार बेसब्री से है. इस घोषणा पर बात करते हुए, अभिषेक बनर्जी ने अपना उत्साह साझा किया, 'मैं मिर्जापुर मूवी में कंपाउंडर को वापस जीवंत करने के लिए अविश्वसनीय रूप से उत्साहित हूं. यह किरदार मेरे करियर में एक मील का पत्थर रहा है और मेरे दिल के करीब है.

Highlights

1. You're root cause of Manipur crisis: CM N Biren to Chidambaram
2. Assam's Karimganj district renamed as Sribhumi
3. Gucci-wearing men and women won't vote today: Goenka on Maharashtra polls
4. 50% of Delhi govt employees to work from home amid severe pollution
5. Voice notes are fake: Supriya Sule on Bitcoin scam allegations

Wipro chairman Rishad Premji explains why work-life balance is important

NEW DEIHI, (Agency). Wipro's executive chairman Rishad Premji said work-life balance is "incredibly important" and that he believes the hybrid work model helps workforce, The Economic Times reported.

"I learned this very early on in my early days before Covid, which is work life is something that you have to define for yourself, organizations are never going to work at it for you." the ET report quoted Rishad Premji as saying in a fireside chat on the first day of the Bengaluru Tech Summit 2024. "So you have to define what it means and draw boundaries."

Rishad Premji's statement comes at a time when Narayana Murthy, the founder of Infosys, promoted and reiterated his belief in the 70-hour work-week, stating he doesn't believe in the concept of 'work-life balance'.

Narayana even expressed disappointment over India shifting from a six-day workweek to a five-day workweek in 1986.

Rishad Premji meanwhile, elaborated that the concept of work-life in itself has changed dramatically as earlier it would have meant the time one came and left the office, but today, it may even be not to take away the "Instagram access at work."

"The concept of what it means is simply not ours, it is also the freedom of what I can do with my time while at work, but not working," the report quoted Premji as saying.

This also comes at a time when several IT companies including Tata Consultancy Services (TCS), Infosys and Wipro started calling their employees to return to office after the pandemic. Premji also talked about how Wipro offers its employees the flexibility of being able to come to office two days a week.

He also claimed Wipro trains its managers to be sensitive to people, to look for signs and have conversations openly regarding work-life balance.

शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 100 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया

एसबीआईई ने प्रतिष्ठित शाखा की शताब्दी विरासत और उत्कृष्टता का जश्न मनाया

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक की समृद्ध विरासत का सम्मान करते हुए, भारत की वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण ने एसबीआई की प्रतिष्ठित हॉर्निमैन सर्किल शाखा की शताब्दी के उपलक्ष्य में विशेष रूप से ढाले गए रुपए 100 के स्मारक सिक्के का अनावरण किया। सिक्के के लॉन्च के साथ-साथ, उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक के विकास के 5वें संस्करण का भी अनावरण किया, जिसमें 1981 से 1996 के बीच बैंक की यात्रा के परिवर्तनकारी युग का वर्णन किया गया है। इस कार्यक्रम में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव, एम. नागराजू सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री, ने कहा, एसबीआई की उल्लेखनीय यात्रा, जो अपनी प्रतिष्ठित शाखा के शताब्दी समारोह के साथ समाप्त हो रही है, विकास और सेवा की एक असाधारण विरासत को दर्शाती है। 1920 के विलय के समय 100 शाखाओं से लेकर आज 22,640+ शाखाओं तक, वित्त वर्ष 2025 में 500 और जोड़ने की योजना के साथ, एसबीआई अपनी पहुंच का विस्तार करना जारी रखता है। एसबीआई का योगदान आंकड़ों से कहीं आगे जाता है - इसने अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक को अपनाकर और वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करके भारत के बैंकिंग परिदृश्य को बदल दिया है। परंपरा को आधुनिकता से जोड़ने की इसकी यात्रा विरासत शाखाओं के संरक्षण में परिलक्षित होती है, जबकि इसके प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म, जैसे कि योनो, वैश्विक मंच पर भारत की फिनटेक क्षमताओं को प्रदर्शित करते हैं।

सर्वजनहिताय के लिए हमारे शुभसंकल्पित उद्देश्य

'सतर्क रहे - सजग रहे अभियान'

को जन-गण-मन तक प्रसारित और पल्लवित
करने में अपना योगदान दीजिये ।

हम विवाद के लिए नहीं अपितु संवाद के लिए संकल्पित है...!

हम सिर्फ लाभ के लिए नहीं अपितु शुभ के लिए भी संकल्पित है...!

हम सिर्फ समस्याओं को उजागर के लिए ही नहीं अपितु समाधान
के साथ सहयोग के लिए भी संकल्पित है...!

'मित्रस्यम चक्षुक्षाम देहि' की भावना वाली हमारी संवाद और
सहयोग की पत्रकारिता के साथ जुड़े ।

Webportal :
https://www.detectivegroupreport.com
https://www.dgr.co.in

Youtube Channal :
http://www.youtube.com/c /DETECTIVEGROUPREPORT

Social Media :
Twitter
https://twitter.com/Detective_G_R

Facebook
https://www.facebook.com /DetectiveGroupReport

Instagram
https://www.instagram.com /detective_group_report

Email us : dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9111156060 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक